मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 156, मुंबई, सोमवार, 25 जुलाई, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

ठाणे में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

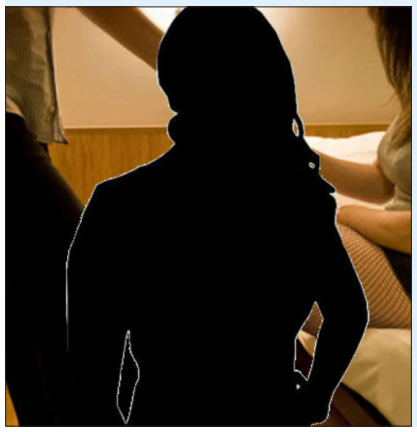

मजबूरी का फायदा उठा कर 20 से 22 साल की लड़कियों से कराती थी जिस्मफरोशी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने यहां छापेमारी कर तीन लड़कियों को मुक्त कराया है। तीनों लड़कियों की उम्र 20 से 22 साल के बीच है। इस दौरान एक महिला को भी गिरफ्तार कराया गया है। आरोप है कि यही महिला लड़कियों से देह व्यापार करवाती थी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

बचाई गईं तीनों महिलाओं को एक आश्रय गृह भेजा गया

दिल पर पत्थर रख एकनाथ शिंदे को बनाया गया महाराष्ट्र सीएम

चंद्रकांत पाटिल के दावे पर हलचल

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में पिछले दिनों सत्ता परिवर्तन हुआ। शिवसेना में बगावत के बाद नाटकीय ढंग से मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा दिया। उद्धव के इस्तीफे के बाद बीजेपी ने अचानक मुख्यमंत्री पद के लिए एकनाथ शिंदे के नाम का ऐलान करके सबको चौंका दिया। एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने। हालांकि विपक्ष ने इसे लेकर सवाल उठाया कि बीजेपी ने क्यों एकनाथ शिंदे को महाराष्ट्र का सीएम बनाया? **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

'केंद्र से इस फैसले की नहीं थी उम्मीद'

चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि इस फैसले से हम सभी दुखी हैं। वसंतराव नाइक के बाद देवेंद्र फडणवीस लगातार पांच साल मुख्यमंत्री रहे। 5 साल मुख्यमंत्री रहने के बाद किसी ने नहीं सोचा था कि केंद्र ऐसा फैसला लेगा। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि केंद्र के फैसले को देवेंद्र फडणवीस ने दिल पर पत्थर रखकर स्वीकार किया।

सीएम बनने के बाद शिवसेना प्रमुख भी बनेंगे एकनाथ शिंदे?

आठ अगस्त को होगा फैसला

संवाददाता / मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में जारी उठापटक को महीनाभर हो गया है। राज्य में सरकार बदल गई। नये सीएम, मंत्री आ गये। लेकिन घमासान अभी भी जारी है। अब लड़ाई शिवसेना को लेकर है। एकनाथ शिंदे ने शिवसेना से अलग होते हुए दावा किया था कि असली शिवसेना पार्टी उनकी है। उधर पार्टी संस्थापक बाला साहब ठाकरे के बेटे और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे का कहना है कि शिवसेना उनका है और इसे कोई छीन नहीं सकता। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

शिंदे सरकार कुछ दिन की मेहमान!

आदित्य ठाकरे का दावा- महाराष्ट्र में मध्यावधि चुनाव जल्द

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने एकनाथ शिंदे सरकार को लेकर बड़ा दावा किया है। आदित्य ठाकरे ने शनिवार को दावा किया कि महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार जल्द ही गिर जाएगी और राज्य में मध्यावधि चुनाव होंगे। शिवसेना नेता के इस बयान से महाराष्ट्र की राजनीति में घमासान मच गया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

परिणाम से प्रेरणा

कुछ इंतजार के बाद शुक्रवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पहले 12वीं और फिर 10वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए। महामारी के कम से कम तीन चरम दौर के बाद आए ये नतीजे बहुत आशा जगाते हैं। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को कामयाबी मिली है और इससे अन्य निचली कक्षाओं के विद्यार्थियों को भी बेहतर पढ़ाई व तैयारी के लिए प्रेरणा मिलेगी। कक्षा 12वीं उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी 92.71 प्रतिशत, जबकि 10वीं पास करने वाले 94.40 प्रतिशत हैं। यह अच्छा है कि इस बार भी टॉपर घोषित नहीं किए गए हैं। टॉपर की सूची से समग्रता में लाभ कम और नुकसान ज्यादा होता है। किसी एक परीक्षा में नाकाम रहने वाले या कम अंक लाने वाले विद्यार्थियों की मनःस्थिति का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए और यह काम सीबीएसई अच्छी तरह से करने लगा है। कोई भी परीक्षा परिणाम अंतिम नहीं होता। एकाधिक परीक्षाओं में नाकाम हुए विद्यार्थी भी आगे चलकर कामयाब हस्तियों में शुमार हुए हैं। कोई भी परीक्षा परिणाम एक प्रेरणा या पड़ाव है, ताकि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों का प्रदर्शन अच्छा हो सके। कमियों से सीखा जा सके।कई बार 10वीं में कम अंक लाने वाले 12वीं में बहुत अंक लाते हैं और कई 12वीं में कम अंक लाने वाले कॉलेज में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन कर गुजरते हैं। महामारी से प्रभावित पढ़ाई के बावजूद सीबीएसई कक्षा 10 में 64,908 या 3.10 प्रतिशत विद्यार्थियों को 95 प्रतिशत या उससे ज्यादा अंक मिले हैं। कुल 2,36,993 या 11.32 प्रतिशत विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक मिलना भी बहुत उत्साहजनक है। खास बात यह है कि दक्षिण भारत के विद्यार्थी और खासकर त्रिवेंद्रम क्षेत्र के विद्यार्थियों का प्रदर्शन 10वीं और 12वीं, दोनों में बहुत शानदार रहा है। 10वीं में दिल्ली क्षेत्र के परिणाम निराश करते हैं, इस क्षेत्र में सफलता प्रतिशत 87 भी नहीं है, जबकि 96 प्रतिशत से ज्यादा के साथ नोएडा, 94 प्रतिशत से ज्यादा परिणाम के साथ प्रयागराज क्षेत्र की कामयाबी प्रशंसनीय है। राष्ट्रीय राजधानी में परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए हरसंभव प्रयास करने पड़ेंगे। बच्चों को केवल सुविधा दे देने से अच्छे परिणाम नहीं मिलेंगे। पूर्वोत्तर क्षेत्र पर भी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। अब परंपरा-सी हो गई है, लड़कियों का उत्तीर्णता प्रतिशत हमेशा ही ज्यादा रह रहा है। लड़कियां जिस हठ और विशिष्टता के साथ स्कूल पास कर रही हैं, उसी उत्साह के साथ उन्हें उच्च शिक्षा में भी झंडे गाड़ने चाहिए। परीक्षा परिणामों का अध्ययन करते हुए यह देखना भी जरूरी है कि किन स्कूलों के विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। क्या बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूलों का ही विस्तार नहीं करना चाहिए? क्या बेहतर पढ़ाने वाले स्कूलों के ढांचे या खासियत का व्यापक प्रचार नहीं करना चाहिए? ध्यान रहे, जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया है। इनकी बागडोर सरकार के ही हाथों में है, जहां बच्चों को हर तरह की सुविधा व गुणवत्ता वाली शिक्षा मिल रही है, तो नतीजे दुनिया के सामने हैं। केंद्रीय विद्यालय भी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। निजी स्कूलों का प्रदर्शन भी बहुत अच्छा है, लेकिन उनमें देखना चाहिए कि किन स्कूलों का प्रदर्शन सुधर नहीं रहा है। लगातार खराब प्रदर्शन कर रहे स्कूलों को क्यों चलना चाहिए? हमारी सरकारों को अन्य सरकारी और सरकार द्वारा अनुदानित स्कूलों के कमतर परिणामों पर भी अवश्य गौर करना चाहिए।

महंगाई पर भी बिखरा विपक्ष !

विपक्ष, मोदी सरकार की गारंटी है। वक्त भले विपक्ष को छप्पर फाड़ मौका देता हुआ है लेकिन विपक्ष को केवल अपने पांवों पर कुल्हाड़ी मारनी है। सोचें, महंगाई की मौजूदा दशा पर। लेकिन इस सप्ताह संसद परिसर में कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों ने विरोध किया तो उससे ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की पार्टी के सांसद दूरी रखे हुए थे। किसलिए? ताकि वे कांग्रेस के साथ न दिखलाई दें! ममता बनर्जी भी अपनी अकेली की ताकत के भरोसे में हैं तो अरविंद केजरीवाल भी। वे मानते हैं ऐकला चलो से फलेंगे-फूलेंगे। अपने को बचाए रख सकते हैं। कांग्रेस और बाकी दूसरी विरोधी पार्टियों का पतन होगा और उनका उत्थान। अपनी ताकत बना कर, अपने को बचा कर, रेवड़ी राजनीति करके वे भाजपा के विकल्प बनेंगे। भाजपा की रेवड़ियों, भाजपा के पैसे, बाहुबल को मात देने वाले सूरमा बनेंगे!

तभी महंगाई याकि जनता के मुद्दे पर भी अलग ढपली बजाओ। राष्ट्रपति चुनाव में आदिवासी द्रौपद्री मुर्मू से आदिवासी वोटों के स्वार्थ में यशवंत सिन्हा से दूरी और भाजपा के उम्मीदवार को समर्थन समझा जा सकता है लेकिन महंगाई, लोगों की रोजमर्रा की दिक्कतों पर भी विपक्षी एकता और साझा विरोध की सोच नहीं तो आगे के लोकसभा चुनाव में क्या होना है, समझ सकते हैं। सत्य है कि ममता बनर्जी ने खुद यशवंत सिन्हा का नाम सुझाया था। पर ममता बनर्जी ने बंगाल आने के लिए नहीं कहा। हेमंत सोरेन की जेएमएम, नवीन पटनायक की पार्टी का रुख आदिवासी कार्ड में समर्थन का था। हिसाब से हेमंत और नवीन पटनायक का अपने प्रदेशों में ठोस आदिवासी वोट आधार है। सवाल ही नहीं उठता कि यदि वे द्रौपदी मुर्मू को वोट नहीं डालते तो आदिवासी नाराज होते तथा भाजपा का आदिवासी वोट बढ़ता। मोदी राज में आठ साल से दलित, आदिवासी वोटों में जो पोजिशनिंग हुई पड़ी है उसमें चेहरों की प्रतीकात्मक राजनीति से अब फर्क नहीं पड़ना है। यदि विरोधी पार्टी के नेता सांसदों-विधायकों को अंतरात्मा की आवाज से वोट देने का पैंतरा चलते तब भी वह समझदारी वाला रास्ता होता।

लेकिन जनता को विपक्ष का सीन बंटा और बिखरा दिखलाई दिया। उस नाते राष्ट्रपति चुनाव और महाराष्ट्र में अघाड़ी सरकार का पतन सन 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले का वह मोड़ है, जो विपक्ष को आगे कंफ्यूज किए रहेगा। एक तो शरद पवार अब लोकसभा चुनाव में भूमिका निभाने की स्थिति में नहीं रहे हैं। ममता बनर्जी, शरद पवार, केसीआर जैसे दो-चार नामों से विपक्षी मोर्चे के बनने या प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी के पहले जो ख्याल हुआ करते थे वे सब बेमतलब हो गए हैं। जब शरद पवार महाराष्ट्र में अपना मोर्चा और सरकार नहीं बचा पाए तो देश के लिए क्या विकल्प बना सकेंगे! उस नाते शरद पवार की चुनौती खत्म करने के बाद सन 2024 से पहले मोदी सरकार केसीआर, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल का या तो विधानसभा चुनाव या विधानसभा ही खत्म कर या सीबीआई-ईडी जैसे हथकंडों से निपटाने का रोडमैप बनाए हुए होगी। मैं नहीं मानता की अभी तेलंगाना में चंद्रशेखर राव की पार्टी चुनाव हार सकती है। लेकिन हैदराबाद की बैठक के साथ भाजपा जैसा टकराव बना रही है तो संभव है अगले साल के विधानसभा चुनाव में टीआरएस को दिक्कत हो। ऐसे ही यह नामुमकिन नहीं है जो केंद्र सरकार दिल्ली में विधानसभा ही खत्म कर, राजधानी दिल्ली में पुरानी व्यवस्था बहाल करके अरविंद केजरीवाल को पैदल बना दे। बाद में वे पंजाब की सरकार से राजनीति कर पाएं, यह संभव नहीं है। केंद्र सरकार के लिए दिल्ली, महाराष्ट्र से भी ज्यादा आसान पंजाब सरकार को ठिकाने लगाना है। जब शरद पवार, उद्धव ठाकरे जैसे अपनी सरकार नहीं बचा पाए तो पंजाब में खालिस्तान, भष्टाचार, चौबीसों घंटे एजेंसियों के निगरानी का ऐसा गोला-बारूद है कि न वहां धमकाना मुश्किल है और न खरीदना। फिलहाल हिमाचल, गुजरात में कांग्रेस के वोट कटवाने में भाजपा के लिए आप की उपयोगिता है, इसलिए कुछ समय टले रह सकता है। मगर केजरीवाल क्योंकि दिल्ली की छाती में मूंग दलते हुए हैं और सन 2014 से ही, वाराणसी से मोदी बनाम केजरीवाल में ईगो की लड़ाई का सत्य है तो सर्वाधिक गाज तो केजरीवाल पर ही गिरेगी।

इसलिए केजरीवाल की अकेले की या केसीआर, ममता, हेमंत सोरेन आदि जितने नेता अकेले अपने बूते राजनीति और मोदी सरकार से अभय की गलतफहमियां पाले हुए हैं उन सबको शरद पवार और उद्धव ठाकरे के हस्र से समझना चाहिए। भारत अब वह लोकतांत्रिक देश नहीं है, जिसमें सबके लिए जगह हो। जब जनता के लिए खुली सांस नहीं है, डर, भय, भूख, महंगाई, बेरोजगारी, चौपट कामधंधों, बुलडोजर और बेमौत मौत के अनुभवों का प्रामाणिक तौर पर सिलसिला एक के बाद एक है तो विपक्षी नेताओं का बिना एकजुटता के क्या भविष्य है, यह सत्य मायावती से समझना चाहिए तो कुमारस्वामी और तमाम तरह के बड़बोले मुस्लिम नेताओं से भी।

इन छापों का नैतिक औचित्य?

इस समय केंद्र सरकार कई सेठों और नेताओं के यहाँ छापे डलवा रही है। इसमें सामान्यतया कोई बुराई नहीं है, क्योंकि अब से लगभग तीन सौ साल पहले फ्रांसीसी विद्वान सेंट साइमाँ ने जो कहा था, वह आज भी बहुत हद तक सच है। उन्होंने कहा था कि 'समस्त संपत्ति चोरी का माल होती है।' फिलहाल उनके इस दार्शनिक कथन की गहराई में उतरे बिना हम यह मानकर चल सकते हैं कि कुछ हेरा-फेरी किए बिना बड़ा माल-ताल कमाना मुश्किल ही है। उद्योग और व्यापार में तो पैसा बनाने के लिए कई वैध और अवैध तरीके अपनाने ही पड़ते हैं लेकिन राजनीति में भ्रष्टाचार किए बिना पैसा बनाना असंभव है और लोकतंत्र की चुनावी राजनीति तो मोटे पैसे के बिना साँस भी नहीं ले सकती। पिछले 77-75 साल में मैं ऐसे कई नेताओं को जानता रहा हूँ, जिसके पास खाने और पहनने की भी ठीक-ठाक व्यवस्था नहीं थी लेकिन आज वे करोड़ों के मालिक हैं। पैसे के खेल ने दुनिया के सारे लोकतंत्रों को खोखला कर दिया है। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा है, इसलिए इसकी साफ-सफाई के लिए मोदी सरकार जो कार्रवाइयाँ कर रही है, वह सराहनीय है लेकिन सवाल यह है कि ये सब कार्रवाइयाँ विरोधी दलों के नेताओं और सिर्फ उन सेठों के खिलाफ क्यों हो रही हैं, जो कुछ विरोधी दलों के साथ नत्थी रहे हैं? यदि सोनिया गांधी के खिलाफ जाँच हो रही है तो क्या अन्य सभी दलों के नेता दूध के धुले हुए हैं? सभी दलों के नेताओं के यहाँ छापे क्यों नहीं पड़ रहे हैं? यदि नरेंद्र मोदी कुछ भाजपा के नेताओं के यहाँ भी छापे डलवाने की हिम्मत कर लें तो वे भारत के विलक्षण और एतिहासिक प्रधानमंत्री माने जाएंगे। भाजपा के कई मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को उनके पद से हटाया जाना काफी नहीं है। उनकी जाँच करवाना और दोषी पाए जाने पर उन्हें सजा दिलवा दी जाए तो भारतीय राजनीति में स्वच्छता का शुभारंभ हो सकता है। कहते हैं कि मालवा की महारानी अहिल्याबाई ने अपने पुत्र को ही दोषी पाए जाने पर हाथी के पाँव के नीचे कुचलवा दिया था। मेरे मित्र एक कांग्रेसी प्रधानमंत्री ने मुझसे पूछा कि चुनाव जीतने के लिए कोई मंत्र बताइए। मैंने तीन मंत्र बताए। उसमें पहला मंत्र यही था कि भ्रष्ट कांग्रेसियों के यहाँ आप छापे डलवा दीजिए। आप भारत के महानायक बन जाएँगे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

ठाणे मनपा प्रशासन कलवा प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त समीर जाधव ने

ठाणे मनपा मुख्यालय की सहायक आयुक्त महेश अहिरे को परिवार समेत दी जान से मारने की धमकी

संवाददाता/समद खान

ठाणे। ठाणे मनपा प्रशासन कलवा प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त समीर जाधव द्वारा ठाणे मुख्यालय सहायक आयुक्त महेश अहिरे को परिवार समेत जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है इस पूरे मामले में महेश अहिरे द्वारा ली गई 23 जुलाई शनिवार सुबह तड़का में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए बताया कि कलवा प्रभाग समिति में अवैध बांधकाम की भरमार के चलते नागरिकों, समाज सेवक की लगातार आ रही शिकायतों को अनदेखा सहायक आयुक्त समीर जाधव द्वारा किया जा रहा था नागरिकों से सही तरह से बात नहीं करना उनके साथ में बुरा व्यवहार करना दादागिरी करना इस तरह की शिकायत समीर जाधव की आ रही थी उन्होंने बताया विटावा, कलवा मस्जिद,खारेगांव,

ठाणे मनपा मुख्यालय के सहायक आयुक्त महेश अहिरे

इन परिसरों में धड़ल्ले से अवैध निर्माण बेखौफ होकर किया जा रहा था तकरीबन 20 अवैध इमारतों की तस्वीरों सहित जानकारी पत्रकारों को दी गई महेश अहिरे ने बताया दिनांक 23/9/2021 से संपूर्ण अवैध बांधकाम की जानकारी समीर जाधव से मांगी गई उस पर झिलमिलाते हुए उन्होंने मुझे हाथ पैर तोड़ देने की और परिवार समेत जान से मारने की धमकी दी मैं यह नहीं जानता कि उन्होंने मुझे धमकी किसके इशारे पर दी है या किसके कहने पर दी है यह काम पुलिस का है जांच के बाद सब सामने आ जाएगी मैंने मनपा प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से बात कर पूरी जानकारी देने के बाद तुरंत नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में समीर जाधव के विरुद्ध में शिकायत दर्ज कराई है उन्होंने बताया हम लोगों ने अवैध बांधकाम और हुक्का पार्लर पर कार्रवाई करने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है और सोमवार से हम अवैध बांधकामो पर और हुक्का पार्लर पर कार्रवाई करना शुरू कर देंगे और यह कार्रवाई रुकेगी नहीं जारी रहेगी उन्होंने बताया ठाणे प्रभाग समिति में कई आठ मंजिला अवैध इमारत भूमाफिया द्वारा निर्माण की गई है जिसकी शिकायत उच्च न्यायालय में नागरिकों द्वारा की गई है और कार्रवाई करने के निर्देश उच्च न्यायालय द्वारा मनपा प्रशासन के अतिक्रमण विभाग को दिए गए हैं और बहुत जल्द हम उन इमारतों पर भी कार्यवाही करना शुरू कर देंगे उन्होंने कहा जिस तरह की धमकी मनपा प्रशासन के कलवा प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त समीर जाधव ने दी है अगर मुझे कुछ भी होता है तो उसकी जिम्मेदारी समीर जाधव की होगी।

मुंबई पुलिस ने मोबाइल फोन चोरों के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी करने और 'हवाला' के जरिए उन्हें नेपाल तथा बांग्लादेश में बेचने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह अपराध कितने बड़े पैमाने पर हो रहा था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 15 जुलाई को यहां मानखुर्द इलाके में महाराष्ट्र नगर में एक स्थान पर छापे के दौरान आइफोन समेत 480 मोबाइल फोन बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि गिरोह के संबंध अन्य देशों से भी थे। छापे के दौरान मोबाइल फोन के अलावा पुलिस ने 9.5 किलोग्राम गांजा, विदेशी शराब की 174 बोतलें, दो तलवारें और एक लैपटॉप भी बरामद किया है। इन सभी की कीमत करीब 75 लाख रुपये

है। मुंबई अपराध शाखा ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के जहांगीराबाद कस्बे से आरोपी आसिफ इदरीसी (25) को गिरफ्तार किया। इससे पहले पुलिस ने गिरोह के दो अन्य सदस्यों महबूब उर्फ लल्लू बदरुद्दीन खान (37) और फैयाज शेख (31) को पकड़ा था। जांच के दौरान अपराध शाखा को पता चला कि गिरोह शहर में चोरों से मोबाइल फोन खरीद रहा था। अधिकारी ने बताया, इसके बाद वे फोन के आईएमईआई नंबर बदल देते थे और उन्हें भारत, नेपाल तथा बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में बेचते थे और हवाला के जरिए पैसे लेते थे। हवाला का मतलब कानूनी बैंकिंग माध्यमों से बचते हुए पैसों का अवैध लेनदेन है। अधिकारी ने बताया कि गिरोह के दक्षिण मुंबई में सबसे बड़े कबाड़ी बाजार 'चोर बाजार' में लोगों से भी संपर्क थे। उन्होंने कहा, हमने महज एक छापे में 480 मोबाइल फोन जब्त किए। हम अंदाजा लगा सकते हैं कि उन्होंने नेपाल और बांग्लादेश में कितने फोन बेचे हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश से इदरीसी के पकड़े जाने के बाद इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

महाराष्ट्र में राज्य परिवहन की बस पलटने से 22 व्यक्ति घायल

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में रविवार को राज्य परिवहन (एसटी) की एक बस के पलट जाने से कम से कम 22 व्यक्ति घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना पूर्वाह्न करीब साढ़े दस बजे अक्कलकोट के पास हुई, उस वक्त बस सोलापुर से गंगापुर की ओर जा रही थी। उन्होंने कहा कि बस चालक ने एक मोड़ पर वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया, जिससे बस पलट गई। अधिकारी ने बताया कि कम से कम 22 यात्रियों को चोटें आयी हैं और उन्हें अक्कलकोट के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि सोलापुर ग्रामीण पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज किया है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

ठाणे में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

मानव तस्करी रोधी शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक महेश पाटिल ने रविवार को बताया कि मुक्त कराई गईं दो लड़कियां पश्चिम बंगाल की रहने वाली हैं। उन्होंने कहा कि एक लड़की ने पुलिस को बताया कि उसे टीबी से पीड़ित अपने पिता के इलाज का खर्च उठाने के वास्ते देह व्यापार के लिए विवश किया गया। पुलिस ने एक खुफिया सूचना के आधार पर शुक्रवार शाम यहां वागले एस्टेट क्षेत्र में एक रेस्तरां के पास अपने एक व्यक्ति को ग्राहक बनाकर भेजा था, जिसके बाद सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ। पुलिस ने बताया आरोपी और पीड़िता यहां डोम्बिवली शहर में बार डांसर के तौर पर काम करती थीं, लेकिन कम पैसे मिलने की वजह से उन्होंने देह व्यापार करना शुरू कर दिया। अधिकारी ने कहा कि बचाई गईं तीनों महिलाओं को एक आश्रय गृह भेजा गया है।

दिल पर पत्थर रख एकनाथ शिंदे को बनाया गया महाराष्ट्र सीएम

अब महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल का इसे लेकर बयान आया है। उन्होंने कहा है कि एनकाथ शिंदे को दिल पर पत्थर रखकर महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनाया गया। इसे लेकर अब सियासत शुरू हो गई है। पनवेल में पदाधिकारियों की बैठक में बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि पिछले ढाई साल की तस्वीर देखने के बाद महाराष्ट्र में सरकार बदलने की जरूरत थी। सत्ता परिवर्तन हो चुका है। परिवर्तन के समय एक ऐसे नेता की जरूरत थी जो सही संदेश दे सके। अच्छे फैसलों को स्थिरता दे सके। ऐसे समय केंद्रीय नेतृत्व ने एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया।

सीएम बनने के बाद शिवसेना प्रमुख भी बनेंगे शिंदे?

मामला चुनाव आयोग के पास है। असली शिवसेन किसकी है, अगले महीने की 8 अगस्त को इसका फैसला हो सकता है। चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के गुटों को नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग ने दोनों से बहुमत साबित करने के लिए दस्तावेज सबूत मांगे हैं। 8 अगस्त को मामले की सुनवाई होगी और पता लग जाएगा कि असली शिवसेना किसकी है। शिंदे गुट ने खुद के असली शिवसेना होने का दावा करते हुए चुनाव आयोग की ओर रुख किया। इस बीच पार्टी के लोकसभा में मौजूद 19 सांसदों में 12 ने शिंदे गुट की ओर कूच कर दिया। लोकसभा में स्पीकर ने उन्हें अलग गुट की मान्यता भी दे दी। उनका नया पार्टी व्हिप चीफ भी नियुक्त होने वाला है। शिंदे गुट ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर शिवसेना का चुनाव चिन्ह 'धनुष-बाण' उन्हें आवंटित करने की मांग की थी। निर्वाचन आयोग को भेजे गए पत्र में शिंदे गुट ने 55 में से 40 विधायकों और 19 लोकसभा सांसदों में से 12 के समर्थन का दावा किया था। शिवसेना सुप्रीमो और संस्थापक स्वर्गीय बाला साहब ठाकरे के बेटे और उद्धव ठाकरे के गुट ने भी निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा। अपनी इस चिट्ठी में सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री के खेमे ने अनुरोध किया था कि पार्टी के नाम और उसके चुनाव चिह्न पर दावों के लिए कोई भी फैसला लेने से पहले उसके विचार को सुना जाए।

शिंदे सरकार कुछ दिन की मेहमान!

वहीं महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल के ताजा बयान ने माहौल को और गरमा दिया है। पाटिल ने कहा है कि एकनाथ शिंदे को दिल पर पत्थर रखकर महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनाया गया। शनिवार को अपनी 'शिव संवाद यात्रा' के तीसरे दिन महाराष्ट्र के पैठण में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा में आदित्य ठाकरे ने यह भी कहा कि शिवसेना के बागी विधायकों ने उनके पिता और तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को उस वक्त धोखा दिया, जब वह अस्वस्थ थे। पैठण से शिवसेना विधायक और पूर्व मंत्री संदीपन भुमरे का विधानसभा क्षेत्र है। वह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के बागी खेमे में शामिल हो गए हैं। पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा कि मेरी बात को याद रखें...यह सरकार जल्द ही गिर जाएगी और महाराष्ट्र को मध्यावधि चुनाव का सामना करना पड़ेगा। ठाकरे ने भुमरे के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि पिछली महा विकास आघाड़ी सरकार में शिवसेना के मंत्रियों को धन नहीं मिला। ठाकरे ने कहा कि पैठण क्षेत्र को मराठवाड़ा जल-ग्रिड परियोजना के तहत पहली योजना मिली।

ज्ञापन में बिजली विभाग पर बिजली कटौती से लेकर अवैध वसूली का आरोप लगाया

संवाददाता/आसिम अजीज/सलीम खान

रामपुर। भाकियू कार्यकर्ताओं ने बिजली और सिंचाई विभाग के खिलाफ विकास भवन में प्रदर्शन किया। बाद में मुख्य विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। सीडीओ के आश्वासन पर किसान शांत होकर वापस चले गए। इससे पहले हाईवे जाम की रणनीति बनाई। जिलाध्यक्ष हसीब अहमद के नेतृत्व में कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए विकास भवन पहुंचे। कुछ देर प्रदर्शन के बाद मुख्य विकास अधिकारी से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। किसानों का कहना था कि अधिकतर नहरों पर या तो अवैध कब्जा है या क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। ऐसी नहरों में कई साल से पानी नहीं पहुंचा है। बल्कि कागजों में उनकी मरम्मत और सफाई के नाम पर लाखों रुपये खुर्द-बुर्द किए जाते हैं। ज्ञापन में बिजली विभाग पर बिजली कटौती से लेकर अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। किसानों ने प्राइवेट सीड्स प्लांट में तैयार किए जा रहे गेहूं के बीज

की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए। ज्ञापन में जिला मुख्यालय पर बीज प्रमाणीक रण संस्था का दफ्तर खोलने का जिक्र किया। सीडीओ ने समस्याओं का शीघ्र निराकरण कराने का आश्वासन दिया। उनके आश्वासन पर शांत होकर किसान वापस चले गए। ज्ञापन देने वालों में प्रतिपाल सिंह, लखविंदर सिंह, अमरीक सिंह, नदीम खां, होरी लाल, रामदास मौर्य, चौधरी राजपाल, प्रमोद, छिद्दा नेता, साबिर अली, असलम, मंजीत सिंह अटबाल, हाफिज मोहम्मद अय्यूब, मोहम्मद मुस्तकीम, वीरेंद्र सिंह, होरी लाल, अनीस अहमद,नईम पधान, आसिफ भी शामिल थे। इससे पहले मासिक पंचायत में 31 जुलाई को प्रस्तावित हाईवे जाम की रणनीति तैयार की।

आर्य समाज निराशा हताशा में आशा का संचार करता हैं: शिक्षाविद चन्द्रकांता गेरा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'आर्य चिन्तन गोष्ठी' का आयोजन ऑनलाइन किया गया कयह करोना काल में 421 वां वेबिनार था। शिक्षाविद चन्द्रकांता गेरा (प्रधानाचार्य,आर्य इंटर कालेज कानपुर) ने कहा कि आर्य समाज व्यक्ति की निराशा हताशा को दूर करके आशा का संचार करता है। आर्य समाज का चिंतन दिशा व दशा को बदलता है। आज महिलाओं को समानता के जो अधिकार मिले हैं वह महर्षि दयानन्द जी का ही प्रताप हैकउन्होंने कहा कि जीवन में सभी सुख चाहते हैं इसके लिए वेद मार्ग पर चलना होगा। महर्षि दयानन्द जी ने भी वेदों की और लौटो यही आह्वान किया है। आर्य समाज ऐसा दीपक है जो सत्य की राह पर

चलना सिखाता है, आओ वेदों की और लौटे व सच्चा सुख प्राप्त करें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज जीवन जीने की कला सिखाता है जो भी इसके पास आया वह पारसमणि बन गया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आर्य समाज से जुड़ने के बाद व्यक्ति पाखंड, अंधविश्वास व बाबाओं के चक्कर में नहीं फंसता उसमें तर्क शक्ति का विकास होता है। गायक रवीन्द्र गुप्ता, प्रवीना ठक्कर, विजय वधावन, कमलेश चांदना, कमला हंस, रजनी गर्ग, जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, कुसुम भंडारी, शोभा बत्रा, सुदर्शन चौधरी, ऊषा सूद आदि ने मधुर भजन सुनाये क उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

शहीदों के अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता हैं: ब्रिगेडियर हरचरण सिंह

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। इनर व्हील क्लब, जम्मू तवी द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें उनके जिला अध्यक्ष डॉ सतिंदर निज्जर को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। सदस्यों को प्रेरित करने और उन्हें सैनिकों के बलिदान के बारे में बताने के लिए, एनसीसीएचडब्ल्यूओ के राष्ट्रीय प्रशासक ब्रिगेडियर हरचरण सिंह, (वीएसएम) को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर बोलते हुए, ब्रिगेडियर हरचरण सिंह ने शहीदों के परिवारों की समस्याओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शहीदों के देश के लिए दिए

गए योगदान को नहीं भुलाया जा सकता हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि नागरिकों को आगे आना चाहिए और शहीदों के परिवारों को गोद लेना चाहिए। इसका उद्देश्य इन परिवारों के प्रति राष्ट्र का आभार व्यक्त करना और उनके बच्चों का मार्गदर्शन करना है, ताकि वे एक उपयुक्त करियर को अपना सकें। डॉ सतिंदर निज्जर ने दर्शकों को दी गई बहुमूल्य जानकारी के लिए ब्रिगेडियर हरचरण सिंह को धन्यवाद दिया। उन्होंने इनर व्हील क्लबों की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। वह खुद एक कुशल व्यक्तित्व हैं और एक रक्षा पृष्ठभूमि से आती हैं। सदस्यों ने भारत माता की जय के नारे लगाकर विचार का समर्थन किया।

भाजपा प्रवक्ता ने सोनिया गांधी को कहे अपशब्द, कांग्रेस ने नड्डा से की शिकायत

नई दिल्ली। स्मृति ईरानी की बेटी का कथित तौर पर अवैध बार मामले में नाम सामने आने के बाद भाजपा व कांग्रेस आमने-सामने हैं। अब भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने सोनिया गांधी के खिलाफ अमर्यादित बयान दिया है, जिस पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर इसकी शिकायत की है और माफी मांगने की मांग की है। दरअसल, गोवा में अवैध बार मामले में टीवी पर एक डिबेट के दौरान भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी पर अभद्र टिप्पणी की। इसके बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मानहानि का केस दायर करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, भविष्य में इस तरह की भाषा का प्रयोग किए जाने पर मानहानि का केस दर्ज करवाया जाएगा।

जम्मु कश्मीर शहीदों के परिवारों को सम्मानित करने के यादगार पलों के साक्षी बने ब्रिगेडियर हरचरण सिंह

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। यह एक गर्व का क्षण था, जहां जम्मू कश्मीर सिविल फोरम ने जम्मू में शहीदों के परिवारों को सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें एनसीसीएचडब्ल्यूओ के सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सशस्त्र बलों, पुलिस, बीएसएफ, सीआरपीएफ के शहीदों के लगभग 1500 परिवारों ने भाग लिया। इन परिवारों के एक एक सदस्य ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। ब्रिगेडियर हरचरण सिंह को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह के साथ इन परिवारों को सम्मानित करने के लिए उपहार देने के लिए विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम देशभक्ति की भावना से सराबोर था, जैसा कि कुछ बच्चों द्वारा पहने जाने वाले सेना के कपड़े से देखा जा सकता है। भारत माता की जय के नारों से गूंज रही थी और देशभक्ति के गीतों से कांप रही थी। इस तरह एक देश उन लोगों को याद कर सकता है जिन्होंने बिना किसी झिझक के, कर्तव्य के लिए अपनी जान दे दी। यह एनसीसीएचडब्ल्यूओ के लिए एक विशेष दिन था, जहां, हमारे स्वर्ण सदस्य कैप्टन बाना सिंह, पीवीसी मुख्य मंच साझा कर रहे थे और राष्ट्रीय प्रशासक ब्रिगेडियर हरचरण सिंह, वीएसएम को वीर नारियों को सम्मानित करने और उनके साथ बातचीत करने का सम्मान मिला।

प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। सावन के पवित्र महीने में प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के सदस्यों ने आज पूना महाराष्ट्र में बसे श्री भीमाशंकर जी के दर्शन करने के लिये प्रस्थान किया। श्री भीमाशंकर जी 12 ज्योर्तिलिंग में एक अद्भुत स्थान हैं। इस अवसर पर दर्शन के लाभार्थी बने प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र कुमार पाण्डेय, ट्रस्टी सीता रानी पाण्डेय, मुम्बई जिला उपाध्यक्ष रेखा उपाध्यक्ष, मुम्बई प्रदेश सचिव राजन सिंह राकेश, उपाध्यक्ष शिवम दुबे आदि इसके पहले प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट बाबा अमरनाथ जी के दर्शन अपने पदाधिकारियों को कराया। आज प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट पूरे देश के पत्रकार भाइयों की सुख शान्ति मान सम्मान के लिए बाबा श्री भीमाशंकर के दरबार में अपनी हाजरी अर्पित कर रहा हैं। इस अवसर पर कलयुग की जलती मशाल से अपने विचार साझा करते हुए ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र कुमार पांडेय ने कहा कि सरकार से मान्यता प्राप्त एवं देश के सबसे बड़े पत्रकार संगठन प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट से जुड़कर अपने हाथ मजबूत करें। उन्होंने अधिक से अधिक मात्रा में पत्रकारों को जुड़ने का आह्वान किया।

शमशान भुमि पर पोधारोपण कर लिया गया संरक्षण का संकल्प

नाडोल देव नगरी मे सेवा भारती नाडोल के कार्यक्रताओ ने शमशान भूमि पर वृक्षारोपण मे फलदार एवं छायादार 85 पोधे लगाने की शुरूआत गौभक्त धनाराम सीरवी ने की इस मौके पर कपुरचन्द प्रजापत,चिराग रावल, मुनेश कमार सैन,सुरेश सीरवी, हंसराम मारू, कालुराम आर्य, राजेन्द्र घांची, महिपालसिह सोलंकी, लुम्बाराम प्रजापत, जोरसिह चैहान, मोहनसिह राजपुरोहित हमीरसिह, शंकर बंजारा, सहित लोग उपस्थित थे।

महान क्रान्तिकारी चंद्रशेखर आजाद, जो सदा आजाद रहे

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों में चन्द्रशेखर आजाद का नाम सदा अग्रणी रहेगा। उनका जन्म 23 जुलाई, 1906 को ग्राम मावरा (झाबुआ, मध्य प्रदेश) में हुआ था। उनके पूर्वज गाँव बदरका (जिला उन्नाव, उत्तर प्रदेश) के निवासी थे, पर अकाल के कारण इनके पिता श्री सीताराम तिवारी मावरा में आकर बस गये थे। बचपन से ही चन्द्रशेखर का मन अंग्रेजों के अत्याचार देखकर सुलगता रहता था। किशोरावस्था में वे भागकर अपनी बुआ के पास बनारस आ गये और संस्कृत विद्यापीठ में पढ़ने लगे। बनारस में ही वे पहली बार विदेशी सामान बेचने वाली एक दुकान के सामने धरना देते हुए पकड़े गये। थाने में हुई पूछताछ में उन्होंने अपना नाम आजाद, पिता का नाम स्वतन्त्रता और घर का पता जेलखाना बताया। इस पर बौखलाकर थानेदार ने इन्हें 15 बेंतों की सजा दी। हर बेंत पर ये 'भारत माता की जय' बोलते थे। तब से ही इनका नाम 'आजाद' प्रचलित हो गया। आगे चलकर आजाद ने सशस्त्र क्रान्ति के माध्यम से देश को आजाद कराने वाले युवकों का एक दल बना लिया। भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु, बिस्मिल, अशफाक, मन्मथनाथ गुप्त, शचीन्द्रनाथ सान्याल, जयदेव आदि उनके सहयोगी थे। आजाद तथा उनके सहयोगियों

ने नौ अगस्त, 1925 को लखनऊ से सहारनपुर जाने वाली रेल को काकोरी स्टेशन के पास रोककर सरकारी खजाना लूट लिया। यह अंग्रेज शासन को खुली चुनौती थी, अतः सरकार ने क्रान्तिकारियों को पकड़ने में पूरी ताकत झोंक दी। पर आजाद को पकड़ना इतना आसान नहीं था। वे वेष बदलकर क्रान्तिकारियों के संगठन में लगे रहे। ग्वालियर में रहकर इन्होंने गाड़ी चलाना और उसकी मरम्मत करना भी सीखा। 17 दिसम्बर, 1928 को इनकी प्रेरणा से ही भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु आदि ने लाहौर में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के ठीक सामने सांडर्स को यमलोक पहुँचा दिया। अब तो पुलिस बौखला गयी; पर क्रान्तिवीर अपने काम में लगे रहे। कुछ समय बाद क्रान्तिकारियों ने लाहौर विधानभवन में बम फेंका। यद्यपि उसका उद्देश्य किसी को नुकसान पहुँचाना नहीं था। बम फेंककर भगतसिंह तथा बटुकेश्वर दत्त ने आत्मसमर्पण कर दिया। उनके वीरतापूर्ण वक्तव्यों से जनता में क्रान्तिकारियों के प्रति फैलाये जा रहे भ्रम दूर हुए। दूसरी ओर अनेक क्रान्तिकारी पकड़े भी गये। उनमें से कुछ पुलिस के अत्याचार न सह पाये और मुखबिरी कर बैठे। इससे क्रान्तिकारी आन्दोलन कमजोर पड़ गया। वह 27 फरवरी, 1931 का दिन था। पुलिस को किसी मुखबिर से समाचार मिला कि आज प्रयाग के अल्फ्रेड पार्क में चन्द्रशेखर आजाद किसी से मिलने वाले हैं। पुलिस ने समय गँवाये बिना पार्क को घेर लिया। आजाद एक पेड़ के नीचे बैठकर अपने साथी की प्रतीक्षा कर रहे थे। जैसे ही उनकी निगाह पुलिस पर पड़ी, वे पिस्तौल निकालकर पेड़ के पीछे छिप गये। कुछ ही देर में दोनों ओर से गोली चलने लगी। इधर चन्द्रशेखर आजाद अकेले थे और उधर कई जवान। जब आजाद की पिस्तौल में एक गोली रह गयी, तो उन्होंने देश की मिट्टी अपने माथे से लगायी और उस अन्तिम गोली को अपनी कनपटी में मार लिया। उनका संकल्प था कि वे आजाद ही जन्मे हैं और मरते दम तक आजाद ही रहेंगे। उन्होंने इस प्रकार अपना संकल्प निभाया और जीते जी पुलिस के हाथ नहीं आए।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

वीना पारीक विप्र सेना महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष नियुक्त

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। विप्र सेना बीकानेर कार्यकारणी का विस्तार करते हुवे विप्र सेना प्रभारी पवन कुमार सारस्वत की अनुशंसा पर बीकानेर महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष के पद पर वीना पारीक को नियुक्त किया। यह नियुक्ति विप्र सेना महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष प्रियंका शर्मा ने की। इस पर बीकानेर शहर महिला यूवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष किरण शर्मा, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य विमला ओम उपाध्याय, यूवा प्रकोष्ठ बीकानेर शहर धर्मेंद्र सारस्वत, महामंत्री नरेश सारस्वत आजाद, नरेश शाकद्विपीय, विधि सलाहकार नितेश रंगा आदि ने भी बधाई दी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर में डीजे पर हुए विवाद का बदला लेने को हुई विशाल निषाद की हत्या, आरोपियों की तलाश में छापे जारी

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां के कल्याणपुर मकड़ीखेड़ा में गत दिवस भाजपा पार्षद के भतीजे ई-रिक्शा चालक विशाल निषाद (20) की हत्या डीजे पर हुए विवाद का बदला लेने के चलते हुई। इसका खुलासा मृतक के पिता सुनील ने पुलिस के सामने किया। उन्होंने बताया कि मृतक के चचेरे भाई विकास उर्फ टर्री ने उसकी हत्या डीजे पर हुए विवाद का बदला लेने के लिए की थी। पुलिस ने बताया कि घटना में मृतक के पिता ने भतीजे विकास व उसके साथियों शैलेंद्र, राहुल, राजेंद्र, सोनू उर्फ राम कुमार, सोनू के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें राम कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पिता ने पुलिस को बताया कि विशाल और उनके भतीजे डेंटल क्लीनिक में कर्मचारी विकस की नहीं पटती थी। करीब तीन साल पहले जुआ खेलने के दौरान भी दोनों में काफी विवाद हुआ था। बीच में भी कई बार उनका विवाद होता रहा। करीब तीन माह पूर्व एक शादी में डीजे पर भी दोनों में झगड़ा हुआ था। तब विकास ने विशाल को हत्या करने की धमकी दी थी। और इसी के बाद घटना को अंजाम दिया गया। फिलहाल पुलिस फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

आयकर विभाग ने कानपुर में पहली बार किया विख्यात कार्डियक सर्जन प्रोफेसर डाक्टर राकेश वर्मा का सम्मान

◆ आयकर विभाग ने इसके पहले आजतक नहीं किया किसी सरकारी डाक्टर को सम्मानित, कार्डियक सर्जन प्रोफेसर राकेश वर्मा आयकर विभाग द्वारा सम्मानित देश के पहले डाक्टर

◆ आयकर दिवस पर सांस्कृतिक सह सुविधा कार्यक्रम के भव्य आयोजन में मुख्य आयकर आयुक्त द्वारा सम्मानित किये गये सैकड़ों लोगों को नया जीवन दान देने वाले हृदय रोग संस्थान के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर राकेश वर्मा इसके पहले भी अनेक राष्ट्रीय पुरस्कारों से हो चुके सम्मानित

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां आयकर विभाग ने 75 वें आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सांस्कृतिक सह सुविधा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया। मर्चेंट चैंबर्स ऑडिटोरियम में आयकर दिवस की पूर्व संध्या पर 75 वें आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में इस सांस्कृतिक सह सुविधा कार्यक्रम के भव्य आयोजन के दौरान मुख्य अतिथि पीआर मुख्य आयकर आयुक्त उत्तर प्रदेश पश्चिम और उत्तराखंड शिशिर झा द्वारा जाने-माने विशेषज्ञ और सुविख्यात कार्डियक सर्जन हृदय रोग संस्थान में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर राकेश वर्मा को सम्मानित भी किया गया। यहां के आयकर विभाग द्वारा 75 वें आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में ऐतिहासिक रूप से यह पहला मौका रहा, जब कार्डियोलॉजी जैसे सरकारी संस्थान में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर राकेश वर्मा को आयकर जैसे विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। आयकर दिवस की पूर्व संध्या पर 75 वें आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में आयोजित सह सुविधा कार्यक्रम में सम्मानित कानपुर कार्डियोलाजी में 1997 से अब तक के सेवाकाल में आज तक एक भी दिन का अवकाश नहीं लेने वाले, मरीजों को देखने के लिए रात में भी राउंड खुद लगाने वाले, कानपुर कार्डियोलॉजी को राष्ट्रीय स्तर की ख्याति दिलाने वाले, विभिन्न हृदय रोगों से संबंधित हृदय, फेफड़ा, धमनियों का सफल ऑपरेशन कर 24 हजार से ज्यादा लोगों की जान बचाने वाले, प्रतिवर्ष कम से कम 70000 हृदय रोगियों को देखकर अपनी संतोषजनक का लाभ पहुंचाने का भी रिकार्ड बनाने वाले हृदय शल्य चिकित्सा क्षेत्र के अभूतपूर्व महारथी विख्यात कार्डियक सर्जन प्रोफेसर डॉक्टर राकेश कुमार वर्मा इसके पहले भी राष्ट्रीय स्तर के अनगिनत पुरस्कारों, प्रशस्ति प्रमाण पत्रों से सम्मानित किए जाने के साथ ही सन 2004 में भारत सरकार द्वारा भी सराहना की सर्वोच्च शब्दावली वाली सर्टिफिकेट से भी नवाजे जा चुके हैं। हाल में ही उन्हें उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। इस मौके पर आयकर के सभी अधिकारी, कर्मचारी व अन्य प्रतिष्ठित लोग भी मौजूद रहे।

राजेंद्र सिंह राठौड़ राजस्थान स्कूली बॉक्सिंग खेल के मास्टर ट्रेनर हुए नियुक्त, खेल संगठनों एवं खिलाड़ियों में खुशी की लहर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। बॉक्सिंग के राष्ट्रीय निर्णायक,कोच एवं शिक्षा विभाग में नियुक्त शारीरिक शिक्षक राजेन्द्र सिंह राठौड़ व विजेन्द्रा रंगा को निदेशालय माध्यमिक शिक्षा बीकानेर ने बॉक्सिंग खेल के मास्टर ट्रेनर के रूप में चुना है जो 26 जुलाई से 28 जुलाई तक सीकर में आयोजित रेफरी क्लीनिक में राजस्थान से आये हुए सभी शारीरिक शिक्षकों को बॉक्सिंग खेल के विषय में प्रशिक्षण देंगे। सोशल मीडिया के माध्यम से जैसे ही लोगों को इस नियुक्ति के बारे में पता चला वैसे वैसे विभिन्न खेल संगठनों की ओर से राठौड़ को बधाई भी देने का सिलसिला लगातार जारी है। राठौड़ बॉक्सिंग के अलावा कबड्डी कुश्ती आदि खेलों में भी निपुण है। राठौड़ की देखरेख में कई दफे बीकानेर को राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल भी बॉक्सिंग में मिले हैं। खिलाड़ियों में भी राठौड़ की नियुक्ति के बाद खुशी की लहर है क्योंकि राठौड़ बिल्कुल बारीकी से खेलों के गुर सिखाते हैं। अखिल भारतीय माल्हा भारोत्तोलन संघ के प्रदेशाअधक्ष पहलवान महावीर कुमार सहदेव सहित बीकानेर जिला कुश्ती संगम के सचिव जगन पूनियां एवं तमाम खेल संगठनों व पहलवानों में भी खुशी की लहर है।

केसर देसर युवा विकास समिति एवं वंदे गौ मातरम परिवार ने किया पौधारोपण

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। केसर देसर युवा मोहल्ला विकास समिति ने ओर वंदे गौ मातरम परिवार ने एक साथ मिल कर किया पौधारोपण जिस में मौजूद रहे विजय भाटी, ओम प्रकाश भाटी, शाहिद कपूर, रामदेव सोलंकी, श्रवण सिंह सांखला, जितेंद्र भाटी, रविंद्र सिंह राठौड़, सुखदेव भाटी, युवराज सिंह, और पूरी टीम ने पेड़ ही जीवन है।हम सबको मिलकर पेड़ की सुरक्षा और रक्षा करनी चाहिए।

बीकानेर मुस्लिम महासभा द्वारा हज यात्रा से लौटने वालों के इस्तकबाल का सिलसिला जारी : एन डी कादरी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। हज मुकम्मल होने के बाद अन्य देशों के साथ साथ हमारे भारतीय हज यात्रा का भी देश वापसी का सिलसिला शुरू हो गया है। हमारे प्रदेश राजस्थान के हज यात्रियों का भी आना शुरू हुआ। बीकानेर के हज से लौटने पर हज यात्रियों के स्वागत के लिए परिवार सहित मिलने वालों का स्वागत करने के लिए रेलवे स्टेशन पर हुजूम उमड़ पड़ा इसी कड़ी में मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय सचिव एन डी कादरी के नेतृत्व में एक दल ने हज मुकम्मल कर लौटे हाजी साहिबान का स्वागत किया गया। साथ ही सर्वोदय बस्ती निवासी हाजी सलाउद्दीन व उनकी अहलिया हाजन सबिना ताहिरा, अहमद रजा, सन्ना प्रविण आदि लोग उपस्थित थे। प्रविण का इस्तकबाल करने पहुंचे तथा उन से हज यात्रा के बारे में जानकारी प्राप्त की इन्होंने बताया कि वहां पहुंचे सभी हज यात्रियों का पुरा ख्याल रखा गया विशेष कर हम भारतीय को भी कहीं किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होने दी गई हमने वहां अड़तीस दिन की यात्रा में आठ दिन मदीना में बाकी मक्का, मीना, मुज्जदरफा सहित हज का खुतबा अराफात में बिताए बड़ शकुन मिला हमने देश की तरक्की खुशहाली, भाईचारा बनाए रखने, अमन चैन के बड़। शिददत के साथ दुआएं की, इस अवसर पर मोहम्मद हक, सिराजुद्दीन, हजरमेहमूद, हाजन

कानपुर देहात में पोल में करंट से पिता- पुत्र की मौत से कोहराम

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां पोल में करंट उतरने से पिता - पुत्री की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मचा है। यह घटना भोगनीपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर में हुई। बताया जा रहा है कि घर के बाहर लोहे के पोल के सहारे टीन शेड रखी थी। शुक्रवार देर रात पोल में करंट उतर गया। इंद्रजीत (47) करंट की चपेट में आ गए। जानकारी के मुताबिक यह देख उनका बेटा राजेंद्र (21) बचाने आया तो वह भी चिपक गया। हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई। घटना में एक ही परिवार के दो लोगों की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। पुलिस ने दोनों की लाशों को परीक्षण हेतु भिजवाया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

डायबिटीज और डैंड्रफ की देसी दवा है Blueberry

फल खाने में स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं, उन्हीं में से एक है ब्लूबेरी। ब्लूबेरी का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। एंटीऑक्सीडेंट और फाइटोन्यूट्रिएंट्स जैसे पोषक तत्वों से भरपूर ब्लूबेरी का सेवन कई बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। इतना ही नहीं, इससे आप अपनी कई ब्यूटी प्रॉब्लम्स से भी छुटकारा पा सकते हैं। चलिए आज हम आपको ब्लूबेरीज के कुछ ऐसे फायदे बताते हैं, जिसके बाद आप भी इसका सेवन शुरू कर देंगे।

ब्लूबेरी के गुण

1 कप ब्लूबेरी में 85 कैलोरी व 0.5 ग्राम फैट के अलावा 1.5 ग्राम सोडियम, 114 ग्राम पोटेशियम, 21 ग्राम कार्बोहाइड्रेट्स, 14% डाइटरी फाइबर, 15 ग्राम शुगर, 2% प्रोटीन, विटामिन ए, 24% विटामिन सी, 2% आयरन, 5% विटामिन इ-6 और 2% मैग्नीशियम होता है।

कुकिंग के साथ-साथ आसान स्टेप में करें फेशियल

आजकल हर किसी को टाइम न होने की शिकायत होती है और औरतें इस लाइफस्टाइल में सबसे ज्यादा बिजी होती है। वर्किंग हो या हाउसवाइफ, काम के चक्कर में महिलाएं इतना बिजी हो जाती है कि खुद पर ही ध्यान नहीं दे पाती। कुछ महिलाएं तो काम के चक्कर में फेशियल या क्लीनअप भी नहीं करवा पाती।आज हम आपको किचन की कुछ चीजों से ही फेशियल करने का तरीका बताएंगे और खास बात तो यह है कि इसे आप अपने कुकिंग टाइम यानि खाना बनाते समय भी कर सकती हैं।अगर आप भी बिजी होने के कारण फेशियल नहीं करवा पाती तो कुकिंग के दौरान आसान स्टेप और किचन की इन चीजों से करें फेशियल और पाएं नेचुरल ग्लो।

● **दही से करें क्लींजिंग**
शायद आप जानते नहीं होंगे कि दही में लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया होता है जिसकी वजह से दही ब्लीचिंग करने में काम आता है। अगर आप आज रायता बनाने जा रहे है तो उसमें से थोड़ा दही निकाल कर अपने फेस पर लगा सकते है। 15 तक दही को अपने चेहरे पर लगाए रखें। तब तक आप रायता भी तैयार कर सकती है और आपके फेशियल का पहला स्टेप भी खत्म हो गया है।

● **कुक्कर की सिटी से स्टीम**
चावल बनाते वक़्त आप माइक्रोवेव का इस्तेमाल न करके गैस पर कुक्कर चढ़ाए और जैसे ही कुक्कर की सिटी आए तो अपना फेस भाप की तरफ करदें। यह प्रक्रिया करने से आपके फेस को स्टीम मिलेगी और आपके चेहरे की सारी गंदगी साफ हो जाएगी।यह करने से फेशियल का दूसरा स्टेप भी खत्म हो जाएगा।

● **हींग से करें स्क्रबिंग**
दाल में तड़का लगाते वक़्त हींग का प्रयोग जरूर करें। हींग के अंदर औषधि तत्व होते है जो उसे बाकी मसालों से अधिक गुणकारी बनाते है। आप इससे अपने चेहरा का स्क्रब कर सकती है।यह किसी भी स्किन टाइप के लिए प्रयोग किया जा सकता है।यह आपके फेशियल का तीसरा स्टेप है।

● **बेसन का फेसपैक**
बेसन के फेसपैक के बारें में तो सबको ही पता है। आप अपने फेशियल के इस अहम स्टेप को जरूर करें और अपनी ग्लोइंग त्वचा को जरूर निहारें। आप बेसन में थोड़ा सा दूध और हल्दी भी मिलाएं ,इससे त्वचा पर और निखार आएगा।

● **घी से करें मॉइस्चराइज**
घी हमेशा से इस्तेमाल होने वाला एकमात्र घरेलू मॉइस्चराइजर है जिसे आप अपने आखिरी स्टेप पर जरूर लगाए। यह आपकी स्किन को अच्छे से मॉइस्चराइज करेगा। इसमें पार्याप्त वसा आपके स्किन पर इंस्टेंट ग्लो लाएगा।

ब्लूबेरीज के हेल्थ बेनिफिट्स

नर्वस सिस्टम ठीक रहता है, जिससे तनाव और डिप्रेशन की समस्या नहीं होती है। अगर आपको स्ट्रेस हो तो मुट्ठीभर ब्लूबेरी का सेवन करें। इससे स्ट्रेस मिनटों में दूर हो जाएगा।

➤ **दिल को रखे स्वस्थ** - इसमें फ्लेवोनोइड्स पाया जाता है जो शरीर में खून के थक्के बनने को रोकता है। इससे दिल स्वस्थ रहता है और हार्ट अटैक व स्ट्रोक का खतरा कम होता है।

➤ **पाचन क्रिया के लिए फायदेमंद** - जिन लोगों की पाचन क्रिया ठीक नहीं रहती और भोजन पचाने में परेशानी होती है उनके लिए ब्लूबेरी रामबाण औषधी है। इसमें फाइबर और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जिससे कब्ज, एसिडिटी जैसी पाचन समस्याएं दूर रहती हैं।

➤ **कैंसर से बचाव** - शोध के अनुसार, जो लोग रोजाना ब्लूबेरी का सेवन करते हैं उनमें कैंसर का खतरा 50% तक कम होता है। दरअसल, इसमें कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर में कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकते हैं।

➤ **लिवर के लिए फायदेमंद** - रोजाना ब्लूबेरी का जूस पीने से लिवर डिटॉक्सीफाई होता है, जिससे आप कई बीमारियों से बचे रहते हैं। साथ ही इससे किडनी भी डिटॉक्स होती है।

➤ **आंखों के लिए फायदेमंद** - फाइटोन्यूट्रिएंट्स ऑक्सीडेंट से भरपूर होने के कारण ब्लूबेरी आंखों के रेटिना को खराब होने से बचाता है। साथ ही इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आंखों की रोशनी बढ़ाने के साथ मोतियाबिंद जैसी समस्याओं से भी बचाता है।

➤ **महिलाओं के लिए फायदेमंद** - जहां ब्लूबेरी का सेवन पीरियड्स दर्द से छुटकारा दिलाता है वहीं प्रेगनेंसी में भी इसका सेवन काफी फायदेमंद है। साथ ही इससे यूरिन इंफेक्शन का खतरा भी कम होता है।

➤ **वजन कम करने में मददगार** - अगर आप भी बढ़ते वजन को लेकर परेशान है तो रोज सुबह 1 कटोरी ब्लूबेरी खाएं। इससे भूख कंट्रोल होती है, जिससे आप ओवरइटिंग नहीं करते और वजन घटाने में मदद मिलती है।

➤ **डायबिटीज में लाभदायक** - इसमें शर्करा का स्तर बहुत कम होता है। ब्लूबेरी मेटाबॉलिज्म की क्रिया को सुचारू रूप से चलाता है। शरीर के सभी अंगों तक ग्लूकोस पहुंचाने का काम करता है। खून के भीतर शर्करा का स्तर संतुलित रखता है, जो डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद है।

➤ **मजबूत हड्डियां** - ब्लूबेरी में विटामिन ड, जस्ता, मैंगनीज, लोहा, फास्फोरस, मैग्निशियम, कैल्शियम पाया जाता है, जो बढ़ती उम्र में भी बोन डेंसिटी को कम नहीं होने देता और हड्डियों को मजबूत बनाए रखता है।

बेलूबेरीज के ब्यूटी बेनिफिट्स

➤ **त्वचा के लिए फायदेमंद** - ब्लूबेरी खाने से लोग लंबे समय तक जवान और खूबसूरत दिखाई देते हैं क्योंकि यह मुहांसों को रोकता है। साथ ही यह सूरज की खतरनाक अल्ट्रावायलेट किरणों से त्वचा को बचाता है। चेहरे पर पड़ने वाली झुर्रियों और अन्य प्रकार की समस्याओं को दूर करता है।

➤ **डार्क पिग्मेंटेशन** - पिसी हुई स्ट्रॉबेरी,शहद और नींबू का रस मिलाकर चेहरे व गर्दन पर 10 मिनट के लिए लगा रहने दें। फिर ताजे पानी से चेहरा धो लें। इससे डार्क पिग्मेंटेशन गायब हो जाएंगे और आप एंटी-एजिंग की समस्याओं से भी बचे रहेंगे।

➤ **पिंपल्स व दाग-धब्बे** - ब्लूबेरी को अच्छे से क्रश करके उसमें 1 टेबलस्पून दही और 1 टीस्पून शहद मिलाकर चेहरे पर स्क्रबिंग करें। फिर 10-15 मिनट बाद चेहरे को ताजे पानी से धो लें। इससे पिंपल्स, मुहांसे व दाग-धब्बे गायब हो जाएंगे।

➤ **बालों के लिए फायदेमंद** - ब्लूबेरी का रस और जैतून का तेल मिलाकर लगाने से बाल घने और काले होते हैं। बालों के विकास में मदद मिलती है। साथ ही इससे डैंड्रैफ की समस्या भी नहीं होती।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

तान्हाजी के लिए अजय देवगन को मिला बेस्ट एक्टर अवार्ड

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की लिस्ट में फिल्म 'तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर' ने तीन अवॉर्ड अपने नाम किए है। वहीं बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने फिल्म के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड जीता है। फिल्म में एक्टर के काम की जमकर तारीफ हो रही है। हर कोई अजय को बधाई दे रहा है। ऐसे में अब उनकी वाइफ और एक्ट्रेस काजोल ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक ट्वीट किया है जो इस समय सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। अपने पति अजय देवगन को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिलने पर काजोल ने अपने ट्वीट कर लिखा, टीम तान्हाजी ने 3 राष्ट्रीय पुरस्कार जीते। बहुत खुश और गर्व। बेस्ट एक्टर अजय देवगन। खास बात यह है कि इस फिल्म में काजोल ने ही अजय की पत्नी का रोल निभाया था। काजोल का रोल भले ही छोटा था मगर दर्शकों ने उन्हें काफी पसंद किया। वहीं वाइफ काजोल के ट्वीट पर रिप्लाई करते हुए अजय देवगन ने लिखा, आपको भी बधाई। फिल्म में आपकी उपस्थिति ने इसे एक अतिरिक्त आयाम दिया। अजय और काजोल हमेशा ही एक दूसरे को इसी तरह सर्पोट करते नजर आते है। वहीं शादी के इतने सालों बाद आज भी इनके बीच का प्यार उसी तरह बरकरार है।

एक्स गर्लफ्रेंड करीना कपूर के साथ एक बार फिर जोड़ी बनाने को तैयार हैं शाहिद कपूर!

करीना कपूर और शहीद कपूर की जोड़ी से तो सभी वाकिफ ही होंगे। एक समय दोनों बॉलीवुड की हिट जोड़ी में से एक कही जाती थी। दोनों ने बॉक्स ऑफिस पर कई हिट फिल्में भी दी हैं। जिसे आज भी लोग खूब पसंद करते हैं। बॉलीवुड की गलियारों में दोनों के अफेयर के भी चर्चे खूब चले थे। वही मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म जब वी मेट करीना कपूर ने शाहिद के कहने पर ही की थी। जी हां, खुद करीना ने एक इंटरव्यू में कहा था कि शाहिद ने उन्हें बताया था कि इस फिल्म में फीमेल करैक्टर को काफी वेटेज दिया गया है इसलिए उन्हें यह फिल्म करना चाहिए। वही अब फिर ऐसी खबरे सामने आ रही हैं की करीना और शहीद की जोड़ी एक बार फिर परदे पर छाने वाली हैं।

टाइगर श्रॉफ और रश्मिका मंदाना की फिल्म को मिला नाम

बॉलीवुड एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 के बाद एक बार फिर करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के डायरेक्शन की कमान शशांक खेतान के हाथ में रहने वाली हैं। यह फिल्म एक एक्शन एंटरटेनर होने वाली है। फिल्म में टाइगर के साथ साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना नजर आने वाली है जिसकी खबरें पहले ही सामने आई थी। वहीं अब फिल्म के नाम और शूटिंग को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। खबरों के मुताबिक टाइगर श्रॉफ और रश्मिका मंदाना स्टारर इस फिल्म का नाम स्क्रू ढ़ीला रखा गया है। इस फिल्म का नाम टाइगर के किरदार को देखते हुए रखा गया है। इस फिल्म में अभिनेता एक अलग किस्म के किरदार में नजर आने वाले है। इससे पहले कभी टाइगर ऐसे किसी रोल में नजर नहीं आए है। इसलिए फिल्म का नाम का थोड़ा हटकर रखा गया है। जानकारी के मुताबिक टाइगर और रश्मिका स्टारर स्क्रू ढ़ीला अगले साल के मिडिल तक रिलीज हो सकती है। टाइगर और रश्मिका दोनों इस फिल्म में पहली बार स्क्रीन स्पेस शेयर करते दिखने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग भारत और विदेश में की जाएंगी। वही फिल्म का फर्स्ट शेड्यूल यूरोप में जल्द ही शुरू होने वाली है। फिल्म दोनों लीड एक्टर्स फिल्म के पहले शेड्यूल का हिस्सा बनने वाले है। धर्मा प्रोडक्शन की इस बिग बजट मूवी के लीड एक्टर्स तो कास्ट कर लिए गए हैं। वहीं फिल्म के लिए नेगेटिव रोल की तलाश अभी जारी है। फिल्म में दमदार एक्शन के साथ एक मजबत कहानी भी पर्दे पर देखने को मिलने वाली है। हालांकि अभी बाकि स्टार कास्ट को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।